Government is not committing itself that it will give the required financial assistance to run the industry. This is not a industry which is being run for profit. The people of India want medicines at cheaper rates. For that purpose this industry was established. This company was supplying medicines to us at one-fourth the rates. Now, the capitalists are interested in closing down this industry. Therefore, the Government of India does not want to come forward with any financial assistance to run this industry. I want to know one thing from the Minister. If the workers are to run the industry, then what is the role of the Government? What is the policy—frame on which you are acting? This industry is connected with the health of crores of people. Therefore, I would like to know specifically whether the Government has decided 10 give the required financial assistance for the revival plan which is under consideration. I want a specific reply from the Minister on this point.

SHRI M. ARUNACHALAM: Madam, the financial assistance which was recommended for revival is Rs. 190.94 crores. The Government is very much interested in reviving it. We have released Rs. 183.62 crores up to last month. It is on loss from its inception except for a short period and that too on canalised drugs and not on manufactured drugs. Therefore, all these aspects are being looked into by a group of Ministers.

SHRI JIBON ROY: Most of the money is spent on ways and means.

SHRI M. ARUNACHALAM: All the aspects are being looked into by a group of Ministers.

शाहगंज-मऊ से दिल्ली, कलकत्ता और मुम्बई के लिये एक्स्प्रेस रेलगाडियां

*143. **श्री मोहम्मद मसूद खान**: क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेगे कि शाहगंज-मऊ रेल लाईन से, जिसका आमान परिवर्तन किया गया है और जिस पर इस समय स्थानीय रेलगाडियां चल रही है दिल्ली, कलकत्ता और मुम्बई के लिये एक्सप्रेस रेलगाडियां चलाने कि कोई योजना है, यदि हा, तो ये रेलगाडिया किन-किन स्टेशनों पर रूकेंगी?

रेल मंत्री (**श्री राम विलास पासवान**): एक वितरण पटल पर रख दिया गया है । वितरण 01.08.97 से 4649/4650 दिल्ली-दरभंगा सरयू-यमुना एक्सप्रेस (सप्ताह में तीन दिन) को मऊ-शाहगंज के रास्ते चलाने का प्रस्ताव है, जिससे इस खंड से दिल्ली के लिये सीधी सेवा मुहैया हो जाएगी । यह गाडी मऊ-और शाहगंज के बीच निम्नलिखित स्टेशनों पर रूकेगी:-

1. मऊ
2. मुहम्मदाबाद
3. सठियांव
4. आजमगढ
5. सरायमीर
6. खोरासन रोड़
7. शाहगंज

क़शाहगंज-मऊ खंड के रास्ते कलकत्ता और मुम्बई के लिए गाडिया चलाना संभव नही होगा क्योकि इससे यात्रा में अधिक समय लगा और किराया भी बढ़ जाएगा ।

श्री मोहम्मद मसूद खान: मैडम, मंत्री जी के जवाब में एक बात है कि मऊ और आजमगढ़ से बम्बई वगैरह की ट्रेन चलाने में एक्ट्रा टाईम लगे । मंत्री जी वहां से पूरे तौर पर वाकिफ है । अगर किसी आदमी को बम्बई या कलकत्ता जाना पड़ता है तो उसके लिए बनारस जाता है या गौरखपुर जाता है । जब बनारस जाता है तो उसके कान में तीन आवाज आती है । गार्ड और ड्राइवर तुम्हारा सिगनल लोअर है गाडी स्टाट करो । दूसरी आवाज आती है कि बम्बई की गाडी रद्द कर दी गई है । अब इस कठिनाई को सामने रखकर कि सौ किलोमीटर आदमी के जाने के बाद वह गाडी बम्बई और कलकत्ता की रद्द की जाती है तो वह कैसे जाएगा । इस कठिनाई को ध्यान में रखते हूए कोई कलकत्ता और बम्बई की गाडी चलाएगे या जो गाडी चल रही है उसमे ऐसा डब्बा जोड़ेगे कि जो शाहगंज और मऊ-जाकर कलकत्ता और मुम्बई की गाडियों में वह डिब्बा जुड जाए ।

श्री राम विलास पासवान: उपसभापति महोदया, हम जब वहां गये थे तो उदघाटन के समय भी लोगों ने इस सवाल को रखा था और हम स्वय चिंतित भी है क्योंकि जब नई लाईन खुली है तो हम चाहते है कि उस लाईन का अधिक से अधिक उपयोग हो । लेकिन लाईन को जब देखेगे तो यह त्रिकोण के समान है । अभी फर्स्ट

अगस्त से हम एक गाड़ी चला रहे हैं जिसके संबधं में सरयू-जमुना एक्सपेंस का माननीय सदस्य ने जिक्र किया है । आज से वह गाड़ी चलेगी । जहां तक अहमदाबाद से लेकर मुजफ्फरनगर तक है वह भी गाड़ी वाया मऊ शाहगंज से चलाने का प्रसताव है । लेकिन जहां तक बम्बई और कलकता का मामला है । मैंने उसमें देखा है । और चीज को तो छोड़ दीजिये कि हमारे ट्रेफिक पर और गुडस ट्रने के ऊपर क्या असर पडेगा । दो-तीन घंटे का समय में अंतर पड़ता है और एक में 94 किलोमीटर और दूसरे में 104 किलोमीटर घूमकर जाना पडता है । इसलिये न तो कोई पेंसेजर उतना घूमकर जाना पसंद करेगा और न ही समय के लिहाज से वह संभव हो पा रहा है । इसलिये हम लोगों ने मऊ शाहगंज के बीच में जिसका आपने जिक्र किया है, जाकर उस रूट में चल रही है । आवश्यकता पडेगी तो उस रूट में जोडने के लिये और भी ट्रन को हम चलाने की व्यवस्था करेंगे । लेकिन अभी तक जो हमने देखा है और आज भी मैंने दो घंटे इस पर अधिकारियों के साथ लगाए हैं । लेकिन वह अभी तक किसी तरीके से फिजिबिल नजर नहीं आ रहा है।

श्री मोहम्मद मसूद खान : शुक्रिया मंत्री , आप मुझे जॅब डेट या टाइम बता देंगे तो हम लोग मिल लेंगे । मोहतरमा हमारा दूसरा सप्लामेंटरी प्रश्र यह है कि आजमगढ-मऊ में इतने एम.पी. हैं । कि पूरे हरियाणा में जितने एम.पी. होते हैं उससे ज्यादा तादात वहां है और सिर्फ तीन दिन गाड़ी सरयू-जमुना चलती है तो मैं माननीय मंत्री जी से पूछना चाहता हं कि उनकी कठिनाई को सामने रखते हुए गोरखपुर से बहुत सी गाडियां हैं चार दिन आप उस ट्रेन को गोरखपुर से चला रहे हैं तो क्या सातों दिन मऊ और शाहगंज से उसको जलाएंगे? और गाजियाबाद के बजाय पुरानी दिल्ली करने के नई दिल्ली करने पर विचार करेंगे ताकि एम.पी. जो ज्यादातर राज्य सभा के एम.पी. हैं, उन लोगों को आने-जाने में सुविधा हो और जनता को भी सुविधा हो ?....(**व्यवधान**)...

†شری محمد مسحود دخان: شکریہ منتری جی۔ آپ مجھے جب ڈیٹ یا ٹائم بتا دینگے تو ہم لوگ مل لینگے۔ محترمہ ہمارا دوسرا سپلیمنٹری پرشن یہ ہے کہ اعظم گڑھ مئو میں اتنے ایم ۔پی۔ہیں کہ پوزے ہر یا نہ میں جتنے ایم۔پی۔ ہونے ہیں اس سے زیادہ تعداد وہاں ہے اور صرف تین دن گاڑی "سرہو۔جمنا" چلتی ہے تو میں ماننیہ منتری جی سے پوچھنا چاہتا ہوں کہ اتنی کٹھنائی کو رکھتے ہوئے بہت سی گاڑیاں گورکھپور سے ہیں۔ چار دن آپ گورکھپور سے اس ٹرین کو چلا رہے ہیں تو کیا ساتو ں دن مئو اور شاہ گنج سے اسکو چلایئنگے۔ اور غازی آباد سے بجائے پرانی دلی کرنے کے نئی دلی کرنے پر وچار کرینگے تاکہ ایم۔پی۔جو زیادہ تر راجیہ سبھا کے ایم۔پی۔ ہیں ان لوگوں کو آنے جانے میں آسانی ہو اور جنتاکو بھی آسانی ہو..."مداخلت"...

एक माननीय सदस्य : आजमगढ़ की वही हालद है । ....(**व्यवधान**)...

श्री सुरिन्दर कुमार सिंगला : यह कहते हैं कि हरियाणा की सब ट्रेनें मंत्री जी निकाल दें । ....(**व्यवधान**)...

श्री राम विलास पासवान : उपसभापति महोदया, जैसा कि माननीय सदस्य को मालूम है कि जो ट्रेन यहां से सरयू-जमुना चलती है या आज से चल रही है, वह 9 बजकर 20 मिनट पर चलेगी और 12 बजे दरभंगा जाकर पहुंचेगी । उसी तरह से इधर से 7 बजकर 30 मिनट पर चलेगी और 11 बजे वहां पहुंचेगी । तो करीब-करीब 22 घंटे लगते हैं और वहीं ट्रेने जाएगी, वहीं ट्रेने आएगी । तो ट्रेने भी देखेगे तो एक दिन जाने मे और एक दिन आने में, कुल मिलाकर सप्ताह में सात ही दिन होते हैं, उस लिहाज से इसको तीन दिन यहां से पास और कोई रास्ता निकलेगा तो हम इसको भविष्य में बढ़ाने पर विचार कर सकते हैं।

†[] Transiiteration in Arabic Script

मोहम्मद मसूर खान : मैंने पूछा था कि उसी ट्रेन को बताय गाजियाबाद से दिल्ली करने के बजाय गाजियाबाद से नई दिल्ली करने पर विचार करेंगे ?

†شری محمد مسحود خان : میں نے پوچھا تھا کہ اسی ٹرین کو بجائے غازی آباد سے دلی کرنے کے بجائے غازی آباد سے نئی دلی کرنے پر وچار کرینگے۔

श्री राम विलास पासवान : असल में जो कुछेक स्टेशसं हमारे पास है – चाहे दिल्ली हो या मुम्बई हो, यहां हमारे पास सबसे बड़ी कमी प्लेटफार्म की है। बहुत सारी गाडियां, हम चाहते हैं कि मुम्बई मे वी.टी. में आ जाए और दिल्ली में भी चाहते हैं कि मेन दिल्ली पर आ जाएं। अभी हमने 15-16 दो प्लेटफार्म को बहुत मुश्किल से, जो गरीब लोग वहां बसे थे उनको झुग्गी झोपड़ी हटाकर, उनको वहां से हटाकर, उसका विस्तार किया है लेकिन इतनी ट्रेनों की डिमांड है। कि वहां हर ट्रेन को दिल्ली स्टेशन पर ही लाना संभव नहीं होगा और न ही अभी हो पा रहा है। लेकिन हम जितना संभव हो रहा है, उतना कर रहे हैं।

SHRI K.M. SAIFULLA1I: Madam, there is a train, the Rajdhani Express, which runs from Bangalore io Delhi.

THE DEPUTY CHAIRMAN: The question is specifically about Uttar Prad esh. We cannot discuss about the all the trains.

SHRI K.M. SAIFULLAH: Madam,....

THE DEPUTY CHAIRMAN: I am sorry. The question is very specific. If we start discussion on all the trains then we will have to sit here the whole day.

श्री ईश दत्त यादव : यह शाहगंज-मऊ रेल लाइन जिसका प्रश्र हैं यह बहुत महत्वपूर्ण रेल लाइन है और इसके बन जाने के बाद यहां के लोगों ने अनुभव किया कि देश में आजादी है और हमकों भी इसका लाभ मिल रहा है। इस रेल लाइन की कल्पना आदरणीय जनेश्वर मिश्र जी ने की और घोषणा भी की। श्री जाफर शरीफ साहब ने इसको प्रारंभ किया लेकिन मैं वर्तमान रेल मंत्री श्री राम विलास पासवान जी को धन्यावाद देना चाहता हूं कि उन्होंने पूरी ताकत लगाकर कुछ समय में इस रेल लाइन का आमान परिवर्तन करा दिया और आमान परिवर्तन कराने के बाद उन्हें...

†[]Transliteration in Arabic Script

उपसभापति : ईश दत्त जी, आप शाहगंज वाली बात कर रहे हैं कि कहीं और जा रहे हैं?

श्री ईश दत्त यादव : मैडम, मैं वहीं बात कर रहा हूं।

उपसभापति : अगर किसी दूसरे स्टेशन पर गाड़ी ले जा रहे हैं तो I cannot permit you because there are other questions also I am sorry. There are other questions also, दूसरे भी सवाल हैं ।

श्री ईश दत्त यादव : उसी सवाल को पूछ रहा हूं।

उपसभापति : उन्होंने शाहगंज और मुम्बई का जो सवाल पूछा है अगर वहीं सवाल पूछेंगे तो मैं अलाऊ करूं। अगर कहीं और जा रहे हैं तो मैं अलाऊ नहीं करूंगी।

श्री ईश दत्त यादव : नहीं , कोई और नहीं, मैं वही सवाल पूछ रहा हूं।

एक माननीय सदस्य : वह धन्यवाद दे रहे हैं।

उपसभापति : हां, धन्यवाद दे दें। उसके लिए मैंने नना नहीं किया है।

श्री त्रिलोकी नाथ चतुर्वेदी : शायद मिश्र जी से उनको कोई और काम है।

श्री ईश दत्त यादव : धन्यवाद मैं इसलिए दे रहा हूं कि उन्होंने उसको पूरा भी करा दिया, उदघाटन भी कर दिया और आज पहली तारीख से उस पर एक रेल उन्होंने चला भी दी। इसलिए मैं उनको धन्यवाद देना चाहूंगा।

अब मेरा जो प्रश्र है। मैडम, आपके माध्यम से जो मैं पूछना चाहता था कि मैंने मंत्री जी को अभी सदन में लिखकर दे दिया है । इन्होंने इस पर सहानुभूतिपूर्वक और गम्भीरतापूर्वक विचार करने के लिए कहा है। इसलिए...

उपसभापति : यह सवाल नहीं है आप बैठ जाइये ।

श्री ईश दत्त यादव : मैं इनको धन्यवाद देकर बैठ रहा हूं।

श्री विष्णु कान्त शास्त्री : क्या गोपनीय प्रश्र था।

उपसभापति : प्रश्र काल के समय में सदन में सिर्फ प्रश्र पूछे जाते हैं। आपको मुबारकबाद देनी है तो आप स्पेशल मैंशन दे दीजिए । I will allow you. But don't take away other people's right to put questions.

SHRI S.B. CHAVAN: He has not divulged the question.

THE DEPUTY CHAIRMAN: He has not put the questions.

श्री गांधी आजाद : उपसभापति महोदया, मंत्री जी ने तीन दिन के लिए तो यह गाड़ी दिल्ली के लिए चलाई है और इसके लिए मैं धन्यवाद देता हूं । लेकिन मैं यह

सवाल पूछना चाहता हूं कि उधर की जनता और उधर के जनप्रतिनिधि चार दिन किधर से दिल्ली आयेंगे, वे इसकी भी व्यवस्था बताये कि आजमगढ़ में जनप्रतिनिधियों कि संख्या ज्यादा है और आजमगढ़ जनपद एक कमिश्रिरी है इसलिए इसको ध्यान में रखते हुए इसको प्रमुख नगरों से जैसे कलकत्ता से, मुम्बई से, मद्रास से संबंध करने की क्या कोई योजना बनाई है? अगर योजना बनाई है तो वह कितने दिन में क्रियान्वित होगी और अगर नही बनाई है तो क्यों नही बनाई है?

श्री राम विलास पासवान: उपसभपति जी, मैंने कहा कि मऊ-शाहगंज के रास्ते से सिर्फ एक गाडी चल रही है । लेकिन उसके अलग-बगल में गोरखपुर है, वाराणसी है वहां से हो लिंक लाइन है उससे 9 गाडियां दिल्ली के लिए चल रही है । जहां तक उनका दूसरा सवाल है, उसके सबंध में मैंने पहले ही जवाब दे दिया है ।

देश में जिला प्राथमिक शिक्षा कार्यक्रम (डी.पी.ई.पी.)

*143.**डा. महेश चन्द्र शर्मा**: क्या मानव संसाधन विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेगे कि:

(क) विश्व बैंक द्वारा प्रायोजित जिला प्राथमिक शिक्षा कार्यक्रम देश में राज्य-वार कौन-कौन से जिलों में चल रहा है;

(ख) क्या विश्व बैंक ने यह कार्यक्रम भारत को दिया है या सरकार ने इसे विश्व बैंक से मांगा है;

(ग) क्या इस कार्यक्रम को कार्यान्वित करने के लिए कोई समय-सीमा निर्धारित की गई है;

(घ) इस संदर्भ में विश्व बैंक कितना राशि खर्च करने वाला है और क्या उक्त राशि अनुदान के रूप में होगी अथवा ऋण के रूप में होगी;

(ङ) क्या विश्व बैंक ने इस कार्यक्रम के लिए कोई शर्त लगायी है; और

(च) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

मानव संसाधन विकास मंत्री (श्री एस.आर. बोम्मई) : (क) से (च) एक विवरण सभा पतल पर दिया गया है ।

विवरण

(क) से (च) प्रांरभिक शिक्षा के सर्वसुभीकरण को मूर्त रूप देने सबंधी राष्ट्रीय शिक्षा नीति (1992 में यथा संशोधित) के लक्ष्य को ध्यान में रखकर 1994 में जिला प्राथमिक शिक्षा कार्यक्रम (डी.पी.ई.पी.) एक केन्द्रीय प्रायोजित योजना के रूप में शुरू किया । कार्यक्रम के लिय विदेशी वित्त पोषण विकासशील देशों में सभी के लिए शिक्षा परियोजनाओं की मदद करने संबंधी जोमतियन सम्मेलन में अंतराष्ट्रीय समुदाय द्वारा की गई प्रतिबद्धता तथा केन्द्रीय शिक्षा सलाहकार बोर्ड (केब) द्वारा यह सहायता प्राप्त करने के सबंध में निर्धारित किए गए दिशा निर्देशो के अनुरूप है ।

विश्व बैंक डी.पी.ई.पी. चरण-। के लिए 260.3 मिलियब अमरीकी डालर की सहायता दे रहा है जिसके अंतर्गत 7 वर्ष की अवधि में असम, हरियाणा, महाराष्ट्र, कर्नाटक, तमिलनाडु और केरल के 23 जिले शामिल होगे तथा डी.पी.ई.पी. चरण-॥ के तहत 11 राज्यों नामतः असम, हरियाणा, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, उडीसा, हिमाचल प्रदेश, गुजरात, महाराष्ट्र, कनार्टक, तमिलनाडऊ और केरल में 70 जिलों के लिए 450.8 मिलियन अमरीकी डालर (सह वित्त पोषण व्यवस्था के तहत 425 मिलियन अमरीकी डालर की आई.डी.ए. क्रेडीट तथा 25.8 मिलियन अमरीकी डालर का नीदर्लैंड सरकार से अनुदान) की राशि सहायता के रूप में दे रहा है । जिन जिलों का विश्व बैंक की सहायता प्राप्त हो रही है उनके नाम विवरण। में दिए गए है (नीचे देखिए)

विश्व बैंक द्वारा उपलब्ध कराई गई सहायता मानव, शर्तो और विनियमों पर अंर्तराष्ट्रीय विकास संघ (आई.डी.ए.) से आसान ऋण के रूप में है । क्रेडिट समझौता के तहत, कार्यक्रम के चरण । और ॥ में संबंधित राज्य सरकारों कों प्रारंभिक शिक्षा पर व्यव को वास्तविक रूप से क्रमशः 1991-92 तथा 1995-96 के स्तरो पर रखन होगा ।